प्रतिदर्श प्रश्न पत्र 9 (2019–20)

हिन्दी – ब (कोड–85)

कक्षा– 10

निर्धारित समय– 3 घंटे **अधिकतम अंक – 80**

सामान्य निर्देशः–

1. इस प्रश्न–पत्र में चार खंड हैं– क, ख, ग और घ।
2. सभी खंडों के प्रश्नों के उत्तर देना अनिवार्य है।
3. यथासंभव प्रत्येक खंड के प्रश्नों के उत्तर क्रम से लिखिए।
4. एक अंक के प्रश्नों का उत्तर लगभग 15–20 शब्दों में लिखिए।
5. दो अंकों के प्रश्नों का उत्तर लगभग 30–40 शब्दों में लिखिए।
6. तीन अंकों के प्रश्नों का उत्तर लगभग 60–70 शब्दों में लिखिए।

खण्ड–क (अपठित अंश) 10

1. निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए। 10

श्रीलंका का मुख्य नगर कोलम्बो है। यहाँ कई उद्यान हैं और जगह–जगह फूलों वाले पेड़ लगाए गए हैं। हरियाली की अधिकता के कारण कोलम्बो को उद्यानों का नगर कहते हैं। कोलम्बो एक बहुत बड़ा बंदरगाह भी है। यहाँ पर पश्चिम से सुदूर पूर्व को जाने वाले जहाज आकर रूकते हैं। प्राचीनकाल में श्रीलंका की राजधानियाँ रही हैं– अनुराधापुर, सीगिरिया, पोलोन्नारूवा, यप्पाहुवा और कैंडी। आज कोलम्बो इसकी राजधानी है। कैंडी एक झील के चारों ओर बसा और पहाड़ियों से घिरा हुआ शहर है। यह बहुत ही सुंदर नगर है विशेषतः रात को जब नगर की चमचमाती बत्तियाँ झील के पानी में झिलमिलाती हैं तो इसकी शोभा देखते ही बनती है। यहाँ एक प्रसिद्ध मंदिर है, जिसे दलादा मालीगावा या पवित्र दाँत का मंदिर कहते हैं। कहा जाता है कि इस मंदिर में भगवान बुद्ध का एक पवित्र अवशेष उनका एक दाँत रखा हुआ है।

कैंडी का नृत्य श्रीलंका का एक प्राचीन नृत्य है। नर्तकों के बदन पर धोती और सिर पर एक ताजनुमा सुसज्जित पगड़ी होती है, गले में ढेरों हार होते हैं और बांहों में बाजूबंद। इनके ढोलक भारतीय मृदंग से मिलते–जुलते हैं। वैसे तो श्रीलंका के अधिकांश निवासी बौद्ध हैं, पर वहाँ हिन्दु, मुसलमान और ईसाई भी रहते हैं। श्रीलंका के निवासियों का मुख्य आहार चावल है। यहाँ के लोग मछली के झोल या सब्जी के साथ चावल खाते हैं। श्रीलंका का एक विशेष पकवान होपर्स कहलाता है। यह चावल के आटे से बना बहुत ही स्वादिष्ट मालपुआ होता है।

द्वीप के दक्षिण–पश्चिम भाग में रत्नपुर नामक नगर है। इसे **रत्नों का नगर** कहा जाता है। यहाँ अनेक प्रकार के मूल्यवान रत्नों की खानें हैं। इन खानों में नीलम, पुखराज, दूधिया, चंद्रकांत मणि, विडालाक्ष मणि आदि कीमती पत्थर निकाले जाते हैं। यहाँ के रत्न प्राचीनकाल से विख्यात हैं। श्रीलंका एक स्वतंत्र देश है। श्रीलंका का राष्ट्रध्वज लाल रंग का है और उसके एक तरफ हरी और केसरिया रंग की धारियाँ बनी हैं। लाल रंग वाले हिस्से में तलवार धारण किए हुए एक सुनहरे रंग का सिंह है। यह सिंह कैंडी के प्राचीन राजाओं का राजचिन्ह है।

1. कोलम्बो कहाँ स्थित है? इसे उद्यानों का नगर क्यों कहते हैं? 2

उत्तर : कोलम्बा श्रीलंका में स्थित है और यहाँ की राजधानी है। यहाँ कई बाग–बगीचे हैं और जगह–जगह फूलों वाले पेड़ लगाए गए हैं। हरियाली अधिक होने के कारण कोलम्बो को उद्यानों का नगर कहते हैं।

2. कैंडी नगर की विशेषताएँ बताइए। 2

उत्तर : कैंडी एक झील के चारों ओर बसा और पहाड़ियों से घिरा हुआ नगर है। रात के समय जब नगर की चमचमाती बत्तियाँ झील के पानी में झिलमिलाती हैं तो यहाँ की शोभा देखते ही बनती है। यहाँ एक प्रसिद्ध मंदिर है, जिसे दलादा मालीगावा या पवित्र दाँत का मंदिर कहते हैं। मान्यता है कि इस मंदिर में भगवान बुद्ध का एक पवित्र अवशेष उनका एक दाँत रखा हुआ है।

3. श्रीलंका का मुख्य भोज्य पदार्थ क्या है? वहाँ के मुख्य पकवान के बारे में लिखिए। 2

उत्तर : श्रीलंका के लोगों का मुख्य भोज्य पदार्थ चावल है। वहाँ लोग चावल के साथ मछली का झोल या सब्जी खाते हैं। श्रीलंका का मुख्य पकवान चावल के आटे से बना मालपुआ है। जिसे होपर्स कहते हैं।

4. **रत्नपुर नगर** की क्या विशेषता है? 2

उत्तर : श्रीलंका के दक्षिण–पश्चिम भाग में स्थित रत्नपुर नगर को **रत्नों का नगर** कहते हैं। यहाँ नीलम, पुखराज, दूधिया, चंद्रकांत मणि, विडालाक्ष मणि आदि अनेक कीमती रत्नों की खानें हैं।

5. कैंडी नृत्य के नृतकों की वेशभूषा कैसी होती है? 1

उत्तर : कैंडी नृत्य करने वाले नर्तक बदन पर धोती और सिर पर एक ताजनुमा सुसज्जित पगड़ी पहनते हैं। उनके गले में ढेरों हार होते हैं और बांहों में बाजूबंद होते हैं।

6. गद्यांश का उचित शीर्षक लिखिए। 1
उत्तर : श्रीलंका।

खण्ड–ख (व्यावहारिक व्याकरण) 16

2. रेखांकित शब्द कहाँ शब्द है और कहाँ पद? बताइए। 1

1. सेवक
2. सेवक बाजार गया है।

उत्तर : 1 शब्द एवं 2 पद

3. निम्नलिखित वाक्यों को निर्देशानुसार बदलिए।
$1 \times 3 = 3$

1. बुद्धिमानों की सब प्रशंसा करते हैं। (मिश्र वाक्य में)
उत्तर : जो बुद्धिमान होते हैं, उनकी सब प्रशंसा करते हैं।
2. आकाश में बादल छाते ही घनघोर वर्षा होने लगी। (संयुक्त वाक्य में)
उत्तर : आकाश में बादल छाए और घनघोर वर्षा होने लगी।
3. जो परिवार से मिलकर रहते हैं, उन्हें कभी दुख नहीं झेलना पड़ता। (सरल वाक्य में)
उत्तर : परिवार में मिलकर रहने वालों को कभी दुख नहीं झेलना पड़ता।

4.

1. निम्नलिखित समस्त पदों का विग्रह कीजिए तथा समास का नाम लिखिए– $1 \times 2 = 2$
चाँद सूरज, आजीवन
उत्तर : चाँद–सूरज– चाँद और सूरज (द्वन्द्व समास)
आजीवन– जीवनभर (अव्ययीभाव समास)
2. निम्नलिखित विग्रहों के समस्त पद बनाकर समास का नाम लिखिए। $1 \times 2 = 2$
चार मुख हैं जिसके (ब्रह्मा), एक–एक
उत्तर : चार मुख हैं जिसके (ब्रह्मा)– चतुर्मुख (बहुब्रीहि समास)
एक–एक– प्रत्येक (अव्ययीभाव समास)

5. निम्नलिखित वाक्यों को शुद्ध करके लिखिए। $1 \times 4 = 4$

1. यह लोग कहाँ के रहने वाले हैं?
उत्तर : ये लोग कहाँ के रहने वाले हैं?
2. कृपया मेरी बात सुनने की कृपा करें।
उत्तर : कृपया मेरी बात सुनें अथवा मेरी बात सुनने की कृपा करें।
3. हमने उन्हें आज भोजन पर बुलाए हैं।
उत्तर : हमने उन्हें आज भोजन पर बुलाया है।
4. शिक्षक ने उसकी खूब प्रशंसा करी।
उत्तर : शिक्षक ने उसकी बहुत प्रशंसा की।

6. निम्नलिखित मुहावरों तथा लोकोक्तियों का वाक्यों में इस प्रकार प्रयोग कीजिए कि उनका अर्थ स्पष्ट हो जाए–
$1 \times 4 = 4$

1. हाथ फैलाना
उत्तर : कर्ज में डूबा हमारा शत्रु देश दूसरों के सामने हाथ फैलाता रहता है।
2. राई का पहाड़ बनाना
उत्तर : बात बहुत छोटी थी, परन्तु उसने राई का पहाड़ बना दिया।
3. अक्ल पर पत्थर पड़ना
उत्तर : विनय को अपने भविष्य की चिंता ही नहीं, उसकी तो अक्ल पर पत्थर पड़ गए हैं।
4. उन्नीस–बीस होना।
उत्तर : दुकानदार ने बताया कि दोनों कपड़ों में उन्नीस–बीस का अंतर है।

खण्ड–ग 28

(पाठ्य पुस्तक एवं पूरक पाठ्य पुस्तक)

7. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं तीन के उत्तर 30–40 शब्दों में लिखिए। $2 \times 3 = 6$

1. सवार के जाने के बाद कर्नल हक्का–बक्का क्यों रह गया?
उत्तर : सवार के जाने के बाद कर्नल हक्का–बक्का रह गया क्योंकि सवार और कोई नहीं बल्कि स्वयं वजीर अली था। उसी को पकड़ने के लिए कर्नल दल–बल के साथ वहाँ डेरा जमाए था। वह कर्नल से दस कारतूस ले गया। साथ ही साथ यह भी कह गया कि वजीर अली को पकड़ना आसान नहीं हैं।
2. लेखक ने चाय पीने के बाद स्वयं में क्या परिवर्तन महसूस किया?
उत्तर : चाय पीने के बाद लेखक ने महसूस किया कि उसके दिमाग की गति मंद हो रही है। वह मानो अनंत काल में जी रहा है। उसके सामने केवल उसका वर्तमान था। उसे लगा यही वर्तमान क्षण सत्य है और उसी में जीना चाहिए। लेखक को उस दिन समझ में आया कि जीना किसे कहते हैं।
3. अरब में लश्कर को नूह के नाम से क्यों याद करते हैं?
उत्तर : लश्कर ने एक जख्मी कुत्ते को दुत्तकारा था। कुत्ते ने जवाब दिया था– **न मैं अपनी मर्जी से कुत्ता हूँ, न तुम अपनी पसंद से इंसान।** लश्कर कुत्ते के इस कथन का मर्म समझकर सारी उम्र रोता रहा। इसलिए अरबवासियों ने उसे नूह की पदवी दी।
4. बड़े भाई साहब छोटे भाई साहब से हर समय पहला सवाल क्या पूछते थे?
उत्तर : बड़े भाई साहब समझते थे कि उन्हें छोटे भाई की निगरानी का जन्मसिद्ध अधिकार प्राप्त है। अतः लेखक के घर में घुसते ही उसकी सुरक्षा एवं हित की दृष्टि से पहला सवाल यही पूछते थे, **कहाँ थे**? ऐसा बड़े भाई साहब इसलिए करते क्योंकि वे चाहते थे कि उनका भाई भी उनकी तरह हर दम पढ़ता रहे। बड़े होने के नाते उसे बार–बार सचेत करना वे अपना कर्तव्य समझते थे।

8. वामीरो न चाहते हुए भी तताँरा को क्यों पसंद करने लगी थी? इसके क्या दुष्परिणाम उसे भुगतने पड़े? तताँरा वामीरो कथा के आधार पर 80–100 शब्दों में लिखिए। 5

उत्तर : तताँरा और वामीरो दोनों अलग–अलग गाँव के थे। अंडमान और निकोबार के द्वीपवासियों में पहले यह नियम था कि दूसरे गाँव के युवक या युवती का आपस में वैवाहिक संबंध नहीं हो सकता। वामीरो यह जानती थी परन्तु तताँरा उसके सम्मुख एक अलग रूप में आया था। उसने तताँरा के बारे में कई बातें सुन रखी थीं। वह सुंदर, बलिष्ठ किन्तु बहुत शान्त, सभ्य और भोला था। वामीरो के मन में अपने जिस जीवन साथी की कल्पना थी उस कसौटी पर तताँरा बिल्कुल खरा उतरता था। अतः न चाहते हुए भी वामीरो तताँरा को पसंद करने लगी थी। इसका परिणाम बहुत दुखद हुआ। तताँरा के क्रोध के कारण द्वीप के दो टुकड़े हो गए। द्वीप की मिट्टी के समुद्र में धँसने से तताँरा पानी में बहकर न जाने कहाँ चला गया। इस घटना के बाद वामीरो पागल हो गई। वह तताँरा को खोजती हुई इसी जगह पहुँच जाती और घंटो बैठी रहती।

अथवा

सुभाष बाबू के जुलूस में स्त्री समाज की क्या भूमिका थी? 80–100 शब्दों में बताइये।

उत्तर : सुभाष बाबू के जुलूस में स्त्री समाज की अहम भूमिका थी। स्त्री समाज अपनी तैयारी में लगा हुआ था। जगह–जगह से स्त्रियाँ अपना जुलूस निकालने तथा ठीक स्थान पर पहुँचने की कोशिश कर रही थीं। सुभाष बाबू बड़े जोर से **वंदे मातरम** कहते हुए आगे बढ़ रहे थे। स्त्रियाँ मोनूमेंट की सीढ़ियों पर चढ़कर झंडा फहरा रही थीं। स्त्रियों की संख्या अधिक थी। प्रायः सबने झण्डा पकड़ा हुआ था। सुभाष बाबू को गिरफ्तार करने के बाद भी स्त्रियों के जोश में कोई कमी नहीं आई। वे अपना जुलूस बनाकर आगे बढ़ रही थीं। निष्कर्षतः हम कह सकते हैं कि स्त्रियों ने इस कार्य में बढ़–चढ़कर भाग लिया।

9. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं तीन के उत्तर 30–40 शब्दों में लिखिए। $2 \times 3 = 6$

1. गोपियों द्वारा कृष्ण की मुरली छिपाने में उनकी कौनसी भावना थी? स्पष्ट कीजिए।

   उत्तर : गोपियों द्वारा कृष्ण की मुरली छिपाना कृष्ण के प्रति उनकी अनन्य प्रेम–भावना को दर्शाता है। वे कृष्ण से बातें करने के लिए उन्हें अपने पास बुलाना चाहती थीं। इसी कारण कृष्ण की सबसे प्रिय चीज मुरली को छिपा देती हैं, जिससे कृष्ण मुरली लेने उनके पास आएँगे तो वे उनसे बातें करेंगी।

2. पावस के दृश्य को कवि ने इन्द्रजाल क्यों माना है?

   उत्तर : कवि ने प्रकृति के देवता इंद्र को बादल रूपी यान में घूम–घूमकर जादू बिखेरता दिखाया है। कवि का कहना है कि वर्षा ऋतु के रंग–बिरंगे नित बदलते रूप जादुई हैं। इस प्रकार बादल रूपी वाहन में घूमता हुआ प्रकृति का देवता इंद्र नए–नए जादुई खेल खेल रहा है। कहने का तात्पर्य यह है कि बादल क्षण–क्षण अपना रूप बदल रहा है।

3. कबीर के अनुसार ईश्वर कहाँ निवास करता है?

   उत्तर : कबीर के अनुसार ईश्वर का निवास घट–घट में है। वह प्रत्येक हृदय में समाया हुआ है। हम उसे देख नहीं पाते क्योंकि हम अज्ञानता से ग्रस्त हैं।

4. सरस्वती किसका यशोगान करती है और क्यों?

   उत्तर : जो लोग दूसरों का उपकार करते हैं उनके हितचिंतक बनते हैं, सरस्वती उसी उदार मनुष्य का गुणगान करती है। जो इस अनंत संसार के साथ अखंड आत्मीयता रखता है। यह धरती भी उसी उदार मनुष्य को जानकर स्वयं को धन्य मानती है। सारे संसार में अपनत्व का प्रसार करता है।

10. बिहारी द्वारा रचित दोहों को पढ़कर मनुष्य को क्या–क्या सीख लेनी चाहिए? 80–100 शब्दों में लिखिए। 5

उत्तर : बिहारी के दोहे हमें अनेक प्रकार की शिक्षा देते हैं। अपने एक दोहे में वे कहते हैं कि आपत्तिकाल में हमें आपसी वैरभाव को भुला देना चाहिए। एक अन्य दोहे में कवि कहते हैं कि ईश्वर प्राप्ति के लिए हमें माला जपना, ईश्वर का नाम शरीर पर अंकित करना, मस्तक पर तिलक धारण करना आदि धार्मिक बाह्य आडम्बरों का परित्याग कर देना चाहिए क्योंकि इनसे कार्य सिद्धि नहीं हो सकते। इनके स्थान पर हमें सच्चे मन से ईश्वर भक्ति करनी चाहिए। इसी माध्यम से प्रभु को प्रसन्न किया जा सकता है। इस प्रकार बिहारी लाल हृदय की उच्चता को श्रेष्ठ बताते हैं।

अथवा

कर चले हम फिदा, गीत में ऐसी क्या खास बात है कि यह मन को छू जाती है। 80–100 शब्दों में बताइये।

उत्तर : **कर चले हम फिदा** गीत में देश प्रेम की चरम भावना का प्रकटीकरण हुआ है। गीत के शब्द इतने सशक्त और भाव–ाभिव्यक्ति में सक्षम हैं कि एक बार सुन या पढ़ लेने पर मन की गहराइयों में अपनी पैठ बना लेते हैं। हालांकि सम्पूर्ण गीत में उर्दू के शब्दों का बाहुल्य है परन्तु बोल कहीं से भी अटपटे या बनावटी नहीं लगते हैं। एक फिल्मी गीत होते हुए भी इसका अंदाज कुछ ऐसा है कि सुनने वाला देशभक्ति के सागर में गोते लगाने लगता है। सबसे बढ़कर जो बात इस गीत को अमर बनाती है, वह है इसकी सच्ची ऐतिहासिकता। गीत में सैनिकों की जिन कुर्बानियों की बात की गई है, उनमें सच्चा यथार्थ छिपा हुआ है। सम्पूर्ण गीत गीतकार के हृदय से निकली हुई आवाज मालूम पड़ती है जिसमें देशभक्ति, स्वाभिमान, बलिदान, करूणा, वीरता आदि उदात्त गुण एक साथ समाहित हैं। यह गीत युवाओं के मन में देश के लिए कुछ कर गुजरने का संकल्प भरता है। इस प्रकार इस गीत में ऐसी कई बातें हैं जो मन को छू जाती हैं।

11.

1. लेखक के अनुसार उन्हें स्कूल खुशी से भागे जाने की जगह

न लगने पर भी कब और क्यों उन्हें स्कूल जाना अच्छा लगने लगा? 60–70 शब्दों में लिखिए। 3

उत्तर : लेखक के अनुसार उसे तथा उसके साथियों को स्कूल जाना कभी अच्छा नहीं लगता था। उन्हें स्कूल एक भयानक जगह लगती थी साथ ही उन्हें मास्टरों की डाँट–फटकार का भी भय सताता रहता था। इन सबके बावजूद कभी–कभी ऐसी स्थितियाँ भी आती थीं जब उन्हें स्कूल जाना अच्छा लगता था। जब पी.टी. मास्टर स्काउटिंग का अभ्यास करवाते समय नीली–पीली झंडियाँ हाथों में पकड़ाकर वन टू थ्री कहते। झंडियाँ ऊपर–नीचे दाएँ–बाएँ करवाते तो हवा में लहराती और फड़फड़ाती झंडियों के साथ खाकी वर्दी पहनकर हम अभ्यास किया करते थे। गलती न करने पर वे **शाबाश** कहते थे। ऐसे असवर पर स्कूल जाना लेखक को बहुत अच्छा लगता था।

2. अपने भाइयों के बंधन से मुक्त होने व पुलिस की सुरक्षा पाने के बाद हरिहर काका ने सबको क्या बताया? 60–70 शब्दों में लिखिए। 3

उत्तर : अपने भाइयों के बंधन से मुक्त होने व पुलिस की सुरक्षा पाने के बाद हरिहर काका ने सबको बताया कि उनके भाइयों ने उनके साथ बहुत बुरा व्यवहार किया है। उनके साथ अत्याचार किया है तथा जबरन अनेक कागजों पर उनके अंगूठे के निशान लिए हैं। उन्हें खूब मारा–पीटा है, उनकी खूब दुर्गति की है और अगर पुलिस आने में थोड़ी देर कर देती है तो वे उनको जान से मार देते।

खण्ड–घ (लेखन) 26

12. निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर 80–100 शब्दों में अनुच्छेद लिखिए। 6

1. **दुर्लभ होता है अच्छा मित्र।**
   ✻ अच्छा मित्र कौन? ✻ क्यों होता है दुर्लभ? ✻ कैसे करें चुनाव?
2. **स्वस्थ जीवन के लिए व्यायाम।**
   ✻ शरीर और मन की स्वस्थता ✻ व्यायाम, आसन, प्राणायाम ✻ खान–पान और रहन–सहन।
3. **जीवन में मोबाइल का महत्व।**
   ✻ युवाओं में बढ़ता मोबाइल चलन ✻ लाभ ✻ हानियाँ ✻ सुझाव।

उत्तर :

1. दुर्लभ होता है अच्छा मित्र।

मनुष्य वैसे तो परिवार में रहता है जहाँ वह खा–पी–रह सके। कभी–कभी ऐसा भी होता है कि हम अपने मन की बातें परिवार के सदस्यों से नहीं कर पाते हैं। इसके लिए एक सच्चे मित्र की आवश्यकता होती है। सच्चा मित्र वह होता है जो अपने मित्र का सच्चा मार्गदर्शक होता है, उसे कुप्रवृत्तियों से बचाता एवं आपदाकाल में उसकी रक्षा करता है परन्तु उसे ढूँढना आसान नहीं होता। आजकल हम सब जिसने हमारी हाँ में हाँ भरी, उसे ही अपना मित्र मान लिया। उसे अपने मन की बात बताई और उसने किसी और से कहकर हमें हँसी का पात्र बना दिया। इसलिए सच्चे मित्र का चुनाव काफी सोच–समझकर करना चाहिए। इसके लिए हमें मित्र की गतिविधियों और विचारों को अच्छी तरह जानना होगा, उसके चारित्रिक गुणों को जानना भी बेहद जरूरी है। वह यदि आपकी भावनाओं की कसौटी पर खरा उतरता है तो उसे मित्र बनाएँ। ऐसा मित्र भी आपकी एक महान पूँजी होता है जो आपकी उन्नति में हर तरह से सहायक होगा।

2. स्वस्थ जीवन के लिए व्यायाम

स्वस्थ जीवन के लिए व्यायाम बहुत महत्वपूर्ण है। आधुनिक मनुष्य निरंतर भाग–दौड़ में लगा हुआ है। दैनिक क्रियाकलाप उसे तनावग्रस्त बना देते हैं। इस स्थिति में स्वस्थ जीवन–शैली का अनुपालन निहायत ही जरूरी है। व्यायाम करने से तन और मन दोनों ही स्वस्थ होते हैं। टहलना, किसी क्रीड़ा में भाग लेना, योगासन करना, दंड–बैठक लगाना अथवा व्यायामशाला में जाकर शरीर संचालन आदि व्यायाम के ही विविध रूप हैं। आसन और प्राणायाम न केवल शरीर को स्वस्थ रखते हैं अपितु मानसिक चिंता और तनाव को भी दूर करते हैं। व्यायाम के लिए प्रातः काल अथवा सायंकाल का समय सर्वाधिक उपयुक्त होता है। किसी उद्यान या खुले स्थान में व्यायाम करने से अपेक्षित लाभ मिलता है। व्यायाम के साथ–साथ समुचित खान–पान का भी ध्यान रखना चाहिए। व्यक्ति को अपनी दिनचर्या इस तरह से निर्धारित करनी चाहिए कि स्वास्थ्य पर किसी तरह का नकारात्मक प्रभाव न पड़े। व्यायाम सहित प्रत्येक कार्य नियत समय पर ही करना चाहिए।

3. जीवन में मोबाइल का महत्व

विज्ञान ने इस युग में मानव को अनेक उपकरण प्रदान किए हैं जिनसे उसका जीवन अत्यंत सुविधाजनक तथा आरामदायक हो गया है। टेलीफोन के आविष्कार से मानव के बीच की दूरी कम हुई थी पर अब मोबाइल फोन ने तो और भी कमाल कर दिया है। टेलीफोन में इसका कनेक्शन लेना अनिवार्य था जिसमें तारों का प्रयोग होता था। मोबाइल फोन के आगमन से तारों की समस्या से भी छूट मिल गई है। छोटा–सा मोबाइल लेकर कहीं से भी अपने मित्र, संबंधी आदि से बातचीत की जा सकती है। फिर चाहे आप देश में हों अथवा विदेश में, घर में हो या बाहर, गाड़ी में यात्रा कर रहे हों अथवा बस में, पर्वतारोहण कर रहे हों या किसी अन्य स्थान की यात्रा, कहीं से भी बात कीजिए कोई रोक–टोक नहीं। अब तो मोबाइल फोन के अत्याधुनिक मॉडलों में अनेक प्रकार की सुविधाएँ भी आ गईं हैं जिसमें इंटरनेट, कैमरा, ह्वाट्सअप आदि प्रमुख हैं। मोबाइल फोन आपातस्थिति में बहुत काम आने वाला होता है। किसी दुर्घटना की स्थिति में इसका उपयोग करके दमकल, पुलिस आदि को आसानी से बुलाया जा सकता है। मोबाइल फोन असुविधा का कारण भी बन जाता है। इसके पास रहने से कभी–कभी असुविधा भी होती है। बार–बार फोन व अवांछित संदेशों के आने से अनावश्यक परेशानी भी होती है। अपराधी तथा

समाजविरोधी तत्व भी मोबाइल फोन का प्रयोग करके अवांछित कार्य करने में कामयाब हो जाते हैं। मोबाइल तरंगों के अपने दुष्प्रभाव हैं। इसलिए मोबाइल का सीमित प्रयोग ही करना चाहिए।

13. अपने क्षेत्र में पेड़-पौधों के अनियंत्रित कटाव को रोकने के लिए जिलाधिकारी को एक पत्र 80-100 शब्दों में लिखिए। 5

उत्तर :

सेवा में,
श्रीमान जिलाधिकारी महोदय,
अशोक मार्ग,
नई दिल्ली।
दिनांक : 21 अगस्त, 2019
विषय : पेड़-पौधों का अनियंत्रित कटाव रोकने के संबंध में।
महोदय,

मैं आपका ध्यान अपने क्षेत्र में पेड़-पौधों के अंधाधुंध कटाव की ओर दिलाना चाहता हूँ जो क्षेत्र के पर्यावरण को असंतुलित करके जन-जीवन के लिए भयावह सिद्ध हो सकता है।

यह सर्वविदित है कि बढ़ती हुई जनसंख्या के लिए आवास एक समस्या बनी हुई है। इसके निदान के लिए हजारों-लाखों मकानों की आवश्यकता है। साथ ही गाँव के लोग भी रोजगार की खोज में शहरों की ओर मुँह कर रहे हैं। परिणामस्वरूप शहरों में आवास समस्या को दूर करने के लिए नई बस्तियाँ बन रहीं हैं। इन नई बस्तियों के निर्माण के लिए जंगल साफ किए जा रहे हैं और वहाँ लगे पेड़ों का सफाया किया जा रहा है।

लोग अपने तुच्छ स्वार्थों के लिए इन पेड़ों को अनियंत्रित ढंग से काट तो रहे हैं, पर ऐसे स्वार्थी लोग पेड़ों के काटने से होने वाले दूरगामी दुष्परिणाम को नहीं जानते। ऐसे में प्रशासन का कर्तव्य है कि वह हरे-भरे पेड़ काटने वालों के विरूद्ध कठोर कार्यवाही करें। इस खतरनाक प्रवृत्ति पर रोक लगाने के लिए लोगों को समझाया जाए कि पेड़ किस तरह जीवन के मित्र हैं। पेड़ पर्यावरण को सुधारने, ऑक्सीजन उपलब्ध कराने, बाढ़ों को रोकने तथा भूमि-क्षरण पर रोक लगाने में सहायक हैं। अतः इनकी अंधाधुंध कटाई दंडनीय अपराध है।

आशा है कि आप हमारे क्षेत्र में पेड़ों के अनियंत्रित कटाव पर रोक लगाने तथा नए पौधे लगाने का अभियान चलाएँगे।
सधन्यवाद।
भवदीय
विकास मार्ग
ग्रामीण क्षेत्र के निवासीगण।

अथवा

अपने विद्यालय के शारीरिक रूप से चुनौतीपूर्ण विद्यार्थियों की आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए विद्यालय परिसर और कक्षा-कक्ष में विशेष सुविधाओं की उपलब्धता के लिए विद्यालय प्रबंध समिति के अध्यक्ष को एक पत्र 80-100 शब्दों में लिखिए।

उत्तर :

सेवा में,
अध्यक्ष महोदय,
विद्यालय प्रबंध समिति
स्वामी दयानन्द शिक्षा निकेतन, विद्यालय,
अजमेर।
दिनांक : 12 जनवरी, 2019
विषय : शारीरिक रूप से चुनौतीपूर्ण विद्यार्थियों को विशेष सुविधाएँ उपलब्ध कराने हेतु प्रार्थना।
महोदय,

सविनय निवेदन है कि मैं आपके विद्यालय की कक्षा दसवीं-सी का विद्यार्थी एवं छात्र कल्याण परिषद का सचिव हूँ। मैं इस पत्र द्वारा शारीरिक रूप से चुनौतीपूर्ण विद्यार्थियों एवं आवश्यकताओं की ओर आपका ध्यान आकर्षित करना चाहता हूँ। महोदय, मैं और मेरे जैसे अन्य 40 छात्र विविध प्रकार से विकलांग होने के कारण अनेक समस्याओं का सामना कर रहे हैं जैसे कि मेरे सहित 25 छात्र पोलियो से ग्रस्त होने के कारण पैरों से कमजोर एवं अधिक चलने में असमर्थ हैं। मुख्य दरवाजे से विभिन्न कक्षाओं के कक्षों तक जाते समय रास्ता पक्का न होने के कारण हम फिसल कर गिर जाते हैं और चोट लग जाती है। हम विकलांग छात्र हैं। कभी-कभी प्रथम तल पर अपनी कक्षा में जाने के लिए सीढ़ियाँ चढ़ते-उतरते समय भी गिरकर चोट खा जाते हैं। इसके अतिरिक्त 15 छात्र ऐसे भी हैं जो दृष्टिहीन हैं। इन छात्रों को कक्षा में सामान्य रूप से पढ़ने-लिखने में भी असुविधा होती है जिससे ये छात्र दूसरे छात्रों से पीछे रह जाते हैं।

अतः आपसे विनम्र निवेदन है कि आप शारीरिक रूप से चुनौतीपूर्ण विद्यार्थियों की आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए मुख्य दरवाजे से कक्षाओं तक का रास्ता पक्का करवाने की कृपा करें ताकि वे बरसात के दिनों में गिरकर चोट न खाएँ। साथ ही इन विकलांग विद्यार्थियों की कक्षाएँ प्रथम तल से नीचे स्थानांतरित करा दें ताकि प्रतिदिन ऊपर चढ़ने व उतरने की समस्या ही खत्म हो जाए। इसके साथ ही दृष्टिहीन छात्रों के अध्ययन हेतु अलग से कक्षाओं एवं अध्यापकों की व्यवस्था कराने की भी कृपा करें ताकि वे अपनी सुविधा के अनुसार पढ़-लिख सकें, जिससे उनके अध्ययन में कोई समस्या न आए।

आशा है कि आप हमारी उचित माँग को स्वीकार कर हमें अनुगृहीत करेंगे।
धन्यवाद।
आपका आज्ञाकारी शिष्य,
विवेक खण्डेलवाल
कक्षा : दसवीं-सी
अनुक्रमांक - 55

14. बाल विकास विद्यालय, नोएडा की कक्षा दसवीं की छात्रा अनीता की हिंदी व्याकरण की पुस्तक अनमोल हिंदी

व्याकरण भाग-2 विद्यालय में गुम हो गई है। वह विद्यालय के सूचना-पट्ट पर सूचना-पत्र लगाना चाहती है। उसके लिए सूचना-पत्र 40-50 शब्दों में तैयार कीजिए। 5

उत्तर :

बाल विकास विद्यालय, नोएडा

सूचना

आप सभी को सूचित किया जाता है कि मेरी हिंदी व्याकरण की पुस्तक अनमोल हिंदी व्याकरण भाग-2 विद्यालय में गुम हो गई है। पुस्तक पर नाम अनीता लिखा हुआ है। यदि किसी को मिले तो अवश्य लौटा दें।

अनीता
दसवीं-ब

अथवा

मुखर्जी कॉलेज, दिल्ली में छात्र संघ के अध्यक्ष, सचिव व खजांची के पद का चुनाव होगा। सलाहकार होने के नाते छात्राओं से नामांकन पत्र जमा करवाने के लिए सूचना-पत्र 40-50 शब्दों में तैयार कीजिए।

उत्तर :

सूचना

दिनांक : 16 अगस्त, 2019

सभी छात्राओं को सूचित किया जाता है कि छात्र संघ के अध्यक्ष, सचिव एवं खजांची के पद के लिए दिनांक 14 सितम्बर, 2019 को चुनाव का आयोजन किया जाएगा। इच्छुक छात्राएँ नामांकन पत्र 25 अगस्त, 2019 तक जमा करें। अपूर्ण आवेदन अमान्य होंगे।

निवेदिता
सलाहकार

15. बढ़ती महँगाई के संबंध में मित्र से हुए वार्तालाप को संवाद के रूप में लगभग 50-60 शब्दों में लिखिए। 5

उत्तर :

वैभव : हैलो अमर! क्या-क्या खरीद लिया?

अमर : अरे! वैभव तुम, कुछ नहीं सब्जियाँ खरीद रहा हूँ। यहाँ तो हालत ही खराब है। पिछले सप्ताह के मुकाबले टमाटर, प्याज, मटर, गोभी सबके सब दोगुने महँगे हैं।

वैभव : हाँ, अभी तीन दिन पहले ही तो डीजल, पैट्रोल के दाम बढ़े हैं इसलिए सब कुछ महँगा हो गया है।

अमर : मगर डीजल, पैट्रोल के दाम बढ़ने से सब्जी महँगी होने का क्या वास्ता?

वैभव : वास्ता कैसे नहीं मित्र, सब्जियाँ दूर-दराज के गाँवों और दूसरे शहरों से ट्रक-ट्रैक्टर आदि से आती हैं। डीजल महँगा होगा तो यातायात महँगा होगा। इससे सभी सामान महँगे होंगे न!

अमर : हाँ, तुम ठीक कह रहे हो मित्र।

अथवा

घर में होने वाले किसी समारोह के बारे में माँ-बेटे का संवाद लगभग 50-60 शब्दों में लिखिए।

उत्तर :

बेटा : माँ, माँ।

माँ : अरे बेटा, तुम आ गए। मैं आज तुम्हारी ही राह देख रही थी।

बेटा : मैं दीदी की शादी की खबर सुनकर भला कैसे नहीं आता। मै बहुत खुश हूँ।

माँ : हाँ बेटा। पिता जी तो रहे नहीं। अब तुम्हें उनकी जिम्मेदारी निभानी होगी। दौड़-धूप, खरीदारी तुम्हें ही करनी है।

बेटा : हाँ, माँ। मैं पिता जी जैसे अच्छे ढंग से कर पाऊँगा कि नहीं, लेकिन मैं अपनी ओर से पूरा प्रयास करूँगा।

माँ : हाँ, बेटा, मुझे तुमसे यही उम्मीद थी। युग-युग जियो।

बेटा : अच्छा माँ, अब चलो, काम को वरीयता से करने की लिस्ट बनाते हैं।

16. आप किसी कम्पनी के मैनेजर हैं। आपको अपनी कम्पनी के लिए प्रतिनिधि की आवश्यकता है। इसके लिए 25-50 शब्दों में विज्ञापन लिखिए। 5

उत्तर :

प्रसिद्ध आयुर्वेद फार्मा कंपनी को आवश्यकता है सेल्स प्रतिनिधियों की

* योग्यता-बी.एस.सी.
* मार्केटिंग में दो वर्ष का अनुभव अनिवार्य

*** आकर्षक वेतन + कमीशन + अन्य सुविधाएँ**
*** समस्त प्रमाण-पत्रों सहित मिलें**

प्रबंधक : महर्षि आयुर्वेद फार्मास्युटिकल्स
15, वेद नगर, अजमेर
फोन-09859869856

अथवा

ज्वैलरी शॉप के लिए 25-50 शब्दों में विज्ञापन लिखिए।

उत्तर :

कीर्ति ज्वैलर्स के साथ मनाये
अपना हर लम्हा खुबसूरत

30% तक की छूट

डायमंड ज्वैलरी की खरीद व गोल्ड ज्वैलरी, सिल्वर ज्वैलरी व आर्टिकल्स की बनवाई पर।

कीर्ति ज्वैलर्स
बी-75, जयसिंह प्लाजा, जयपुर-13
फोन. 01415368552

Download unsolved Version of this solved paper from www.cbse.online